ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997 क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University Established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

अवन्तिका शुक्ला

Avantika Shukla

असिस्टेंट प्रोफेसर, स्त्री अध्ययन विभाग

Assistant Professor, Women's Studies

दूरभाष/Phone : +91-7152-232947

फैक्स/Fax: +91-7152-230903

मोब. 9423890142

दिनांक : 29 जुलाई, 2015

सूचना

विश्वविद्यालय में अध्यनरत समस्त विद्यार्थियों/शोधार्थियों को सूचित किया जाता है कि स्त्री अध्ययन विभाग एवं निरंतर, दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 01-07 सितम्बर, 2015 को **'जेंडर एवं शिक्षा'** विषय पर प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। 'निरंतर' जेंडर एवं शिक्षा जैसे मुद्दों पर कार्य करने वाली अग्रणी संस्था है। जो विद्याथी/शोधार्थी इस प्रशिक्षण में सहभागी होना चाहते है, वे विभाग से पंजीकरण फार्म प्राप्त कर सकते हैं। पूर्ण रूप से भरे हुए फार्म को जमा करने की अंतिम तिथि 05 अगस्त, 2015 है। अपूर्ण रूप से भरे हुए फार्म को स्वीकार नहीं किया जायेगा। कार्यशाला का पंजीकरण शुल्क प्रति प्रतिभागी 600/- होगा जिसमें से 300/- रुपये मूल्य के जेंडर एवं शिक्षा से संबंधित दो आधारग्रंथ अध्ययन सामग्री के रूप में कार्यशाला किट के साथ दिये जायेंगे। इस कार्यशाला से संबंधित अधिकतम जानकारी स्त्री अध्ययन विभाग से प्राप्त की जा सकती है।

अवन्तिका

(अवन्तिका शुक्ला)

संयोजिका

प्रतिलिपि :

1) सभी विभाग

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा – 442001 (महाराष्ट्र) भारत

Post Hindi Vishvavidyalaya, Gandhi Hills, Wardha-442001 (Maharashtra), India

E-mail : avifem@gmail.com, वेब साईट : www.hindivishwa.org

निरंतर संस्था और महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा द्वारा संचालित

जेंडर और शिक्षा कोर्स

आवासीय कोर्स, 1 से 7 सितंबर, 2015, वर्धा

कोर्स के उद्देश्य

- जेंडर और शिक्षा के जुड़ाव को समझना
- जेंडर को औपचारिक और अनौपचारिक शिक्षा के बँधे–बँधाए दायरों से बाहर निकालकर समग्रता में देखना
- शिक्षा नीतियों और उनके क्रियान्वयन में जेंडर को कितना और किस तरह का महत्त्व दिया जा रहा है, इसे जानना
- शिक्षा की राजनैतिक समझ को गहरा करने में नारीवादी विचारधारा और पद्धति द्वारा उठाए गए सवालों और अनुभवों को समझना
- शिक्षा में राष्ट्रवाद और पहचान से जुड़े मुद्दों की जेंडर के नज़रिए से पड़ताल करना

पद्धति

इस कोर्स में पठन–पाठन की पद्धति रचनात्मक होगी। पठन सामग्री में विविधता होगी। लेख, शोध, कहानी, जीवनी, साक्षात्कार, सरकारी दस्तावेज़ आदि इसमें शामिल होंगे। कोर्स में फिल्म, वाद–संवाद और सामूहिक चर्चा के मंच होंगे। इसके दौरान प्रतिभागी जेंडर और शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों एवं ज़मीनी कार्यकर्ताओं से विचार–विमर्श भी करेंगे।

इस आवासीय कोर्स में लंबे और गहन सत्र होंगे। हर दिन प्रतिभागियों को पढ़ने की सामग्री दी जाएगी। इसलिए जिनकी विशेष रुचि हो वही संलग्न परिपत्र भरकर भेजें। रोज़ाना मुस्तैदी से कम से कम 15 से 20 पन्ने पढ़ना हर प्रतिभागी के लिए अनिवार्य है।

कौन भाग ले सकते हैं

- न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता स्नातक (ग्रैजुएशन) है।
- उम्र की कोई सीमा नहीं है।
- प्रतिभागी किसी भी विषय के हो सकते हैं, मगर शिक्षा, जेंडर स्टडीज़ और समाजशास्त्र के विद्यार्थी तथा शोधकर्ता इस कोर्स से ज़्यादा लाभान्वित होंगे।

निरंतर संस्था 'जेंडर और शिक्षा' के क्षेत्र में पिछले 22 सालों से काम कर रही है। इसकी स्थापना 1993 में हुई। निरंतर ने कई तरह की जेंडर संवेदनशील पठन–पाठन सामग्री प्रकाशित की है – जैसे पत्रिका, अखबार, पाठ्यचर्या, विश्लेषणात्मक दस्तावेज़ व स्कूली किताबें। इस संस्था ने जेंडर और शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े कई शोध भी किए हैं। ग्रामीण महिलाओं के लिए साक्षरता और शिक्षा के कार्यक्रम भी चलाती है। समय–समय पर यह संस्था सरकार के साथ भी जेंडर और शिक्षा के मुद्दों के लिए सक्रिय रही है।

हमारा पता

निरंतर – बी 64 (दूसरी मंज़िल), सर्वोदय एन्क्लेव, नई दिल्ली–110017
टेलीफोन : 011–26966334 टेली–फैक्स : 011–26517726 ई–मेल : nirantar.mail@gmail.com

कृपया ध्यान दें

05 अगस्त, 2015 : परिपत्र जमा करने की अंतिम तिथि
20 अगस्त, 2015 : चुने गए प्रतिभागियों को सूचित करने की अंतिम तिथि

इस कोर्स के लिए पंजीकरण शुल्क (रजिस्ट्रेशन फी) नहीं है। पठन सामग्री के लिए 300 रुपए की सहयोग राशि पंजीकरण के समय ली जाएगी।

परिपत्र

प्रतिभागी का नाम : .....उम्र : .....

शिक्षा : ..... विभाग/विषय का नाम : .....

कोर्स का नाम और वर्षः .....

.....

फोन : ..... ईमेल : .....

- जेंडर और शिक्षा कोर्स में आपकी दिलचस्पी क्यों है? (150 शब्दों में लिखिए)

- इस कोर्स का आप अपनी ज़िंदगी/पढ़ाई से क्या जुड़ाव देखते हैं? (250 शब्द)

- कॉलेज की पढ़ाई से अलग आप और कौन सी गतिविधियों में भाग लेते है? (150 शब्द)